5. अब भी आँखें नहीं खुलीं ? जो व्यवहार अपनी बेटी के लिए तुम दूसरों से चाहते हो वही दूसरे की बेटी को भी दो | जब तक बहू और बेटी को एक सा नहीं समझोगे, न तुम्हें सुख मिलेगा और न शांति |

a. प्रस्तुत वाक्य का वक्ता कौन है और यह किससे कहा जा रहा है ?

उत्तर – प्रस्तुत वाक्य का वक्ता राजेश्वरी है जो कमला की सास है और यह बात वह अपने पति जीवनलाल से कह रही है |

b. राजेश्वरी जीवनलाल से बहू और बेटी के साथ एक सा व्यवहार करने के लिए क्यों कहती है ?

उत्तर – राजेश्वरी का मानना है कि बेटी और बहू एक ही सिक्के के दो पहलू हैं | जैसे हम चाहते हैं कि हमारी बेटी जिस घर में जाए वहाँ उसे सभी प्यार करें और उसका समान करें, उसी प्रकार हमें भी दूसरे की बेटी को प्यार व सम्मान देना चाहिए | समाज में शांति बनाए रखने के लिए यह संतुलन बहुत जरूरी है |

c. पाठ के आधार पर बताइए कि ऐसा क्या हुआ था जो जीवनलाल की आँखें खोलने वाला था |

उत्तर – जीवनलाल अपनी बहू कमला की विदा नहीं होने दे रहा था | वह दहेज़ का लालची व्यक्ति था और उसे लगता था कि उसके बेटे की शादी में कमला के घरवालों ने कम दहेज़ दिया है परन्तु जब उसकी बेटी गौरी के ससुराल वालों ने भी गौरी को विदा नहीं किया और उसका कारण दहेज़ का कम होना बताया, तब जीवनलाल क्रोध से आग बबूला हो गया क्योंकि जीवनलाल ने बहुत सारा दहेज़ दिया था | इसी घटना के बाद उसे समझ में आया कि लालच की कोई सीमा नहीं होती है और उसकी आँखें खुल गईं |

d. प्रस्तुत अंश का भाव प्रकट कीजिए |

उत्तर – प्रस्तुत अंश का भाव यह है कि बेटी और बहू एक ही सिक्के के दो पहलू हैं | जैसे हम चाहते हैं कि हमारी बेटी जिस घर में जाए वहाँ उसे सभी प्यार करें और उसका सम्मान करें, उसी प्रकार हमें भी दूसरे की बेटी को प्यार व सम्मान देना चाहिए | समाज में शांति बनाए रखने के लिए यह संतुलन बहुत जरूरी है |

6. कभी कभी चोट भी मरहम का काम कर जाती है बेटा | (राजेश्वरी की ओर मुड़कर) अरे, खड़ी खड़ी हमारा मुँह क्या ताक रही हो ? अंदर जाकर तैयारी क्यों नहीं करतीं ? बहू की विदा नहीं करनी है क्या ? कमला का हाथ पर्दे की ओट में हो जाता है | वह हर्ष के आँसू पोंछती हुई शीघ्रता से अंदर जाती है |रमेश और प्रमोद मुस्कुराकर एक दूसरे की ओर देखते हैं |

a. जीवनलाल कमला की विदा करने के लिए क्यों तैयार हो गए ?

उत्तर – जीवनलाल की बेटी गौरी को उसके ससुराल वालों ने विदा

नहीं किया और उन पर कम दहेज़ देने का आरोप लगाया | इस घटना ने जीवनलाल की आँखें खोल दीं और वे कमला को विदा करने के लिए तैयार हो गए |

b. किस चोट ने जीवनलाल के लिए मरहम का काम किया ?

उत्तर – जीवनलाल की बेटी को दहेज़ के लालच में घर न भेज कर बेटी के ससुरालवालों ने जीवनलाल को सीधे दिल पर चोट दी और इसी चोट ने जीवनलाल के लिए मरहम का काम किया और उन्होंने अपनी गलती स्वीकार करते हुए कमला को ख़ुशी ख़ुशी विदा कर दिया |